

एच० एम० टी० घड़ियों का उत्पादन
और मांग

* 42. श्री सज्जन कुमार : क्या
उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच० एम० टी० घड़ियों
का उत्पादन मांग की अपेक्षा बहुत कम
है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में
उनकी मांग और उत्पादन का ब्यौरा
क्या है; और

(ग) बढ़ती हुई मांग को पूरा करने की
बात ध्यान में रखते हुए सरकार की उत्पादन
नीति क्या है और वर्ष 1982-83 में
एच० एम० टी० घड़ियों की मांग कहां तक
पूरी हो जायेगी ?

THE MINISTER OF INDUSTRY
AND STEEL AND MINES (SHRI
NARAYAN DATT TIWARI): (a) to
(c) A statement is laid on the Table
of the House.

Statement

The total estimated demand for watches in the country, domestic production of watches and HMT's contribution during the last three years are as follows:—

Year	Estimated demand (in lakhs)	Approximate domestic production (in lakhs)	Production of HMT watches (in lakhs)
1979	70	55	32.8
1980	75	53	35.9
1981	80	55	35.1

The Sixth Five year Plan targets of capacity and production of mechanical wrist watches by 1984-85 are 15 million and 12.5 million respectively. The Government have already approved a total capacity of 11.4 million mechanical wrist watches in the organised sector. Besides, a number of small scale units have been approved with a total capacity of a little over 5 million wrist watches per annum. These units are mainly based on imported components.

The Government have recently decided to encourage establishment of further capacity mainly for manufacture of wrist watch components.

This is with a view to developing indigenous components manufacturing capacity to meet the demand of small scale assembly units so as to obviate continued dependence on imports. Of the capacity thus created, at least 2/3 of the production of watch components would be supplied to small scale assembly units and not more than 1/3 would be utilised for manufacture of complete watches. Preference would be given to proposals for locating projects in industrially backward/hilly areas and which aim at a high degree of indigenisation from the first year. MRTP and FERA companies would, however, not be considered for establishing additional capacity.

HMT, starting with a production of less than 0.5 lakh watches in 61-62, has planned to manufacture 42.1 lakh watches in 1982-83 and proposals for further expansion are being formulated.

श्री सज्जन कुमार : अध्यक्ष महोदय, जो ब्यौरा सदन के पटल पर रखा गया है, उसमें यह बताया गया है कि 1981 में 80 लाख घड़ियों की अनुमानित मांग है, जिसमें एच० एम० टी० द्वारा करीब 35 लाख एक हजार घड़ियां बनाई गई हैं। इससे पहले 1980 में 75 लाख घड़ियों की मांग थी, लेकिन एच० एम० टी० द्वारा 35 लाख 9 हजार घड़ियां बनाई गई जिससे जाहिर होता है कि पिछले वर्ष में इसका उत्पादन बढ़ने के बजाए कुछ उत्पादन गिरा है। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा, जैसा कि उन्होंने कहा है कि वे कुछ यूनिट बना रहे हैं, जिस से उत्पादन बढ़ेगा, क्या 1982-83 में कोई नया यूनिट लगाने जा रहे हैं, जिससे कि देश की घड़ियों की मांग को पूरा किया जा सके ?

दूसरे, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या हम घड़ियां एक्सपोर्ट करते हैं ? यदि करते हैं, तो क्या जब हम भारत के लोगों की मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, तो एक्सपोर्ट पर पाबन्दी नहीं लगाई जा सकती है ?

श्री नारायण दत्त तिवारी : श्रीमन्, सम्माननीय सदस्य ने यह जानकारी चाही है कि क्या 1982-83 में कोई नया यूनिट लगाने जा रहे हैं अथवा नहीं ? श्रीमन्, जैसा कि वक्तव्य में स्पष्ट कहा गया है और अभी जनवरी, 1982 में हमने यह आह्वान किया है, संभावित उत्पादन-कर्ताओं से, कि वे आवेदन दें कि वे नए इस प्रकार के संस्थानों को स्थापित करने के लिए क्या वे प्रस्तुत हैं। यदि ऐसे कोई आवेदन हमारे पास आयेंगे तो उसके

आधार पर निर्णय किया जा सकेगा कि कितनी तत्परता के साथ 1982-83 में उत्पादन बढ़ा सकते हैं, लेकिन 1982-83 में एच० एम० टी० के तुमकुर यूनिट के माध्यम से उसका उत्पादन पूर्ण स्तर पर पहुंच जाएगा और उसके परिणामस्वरूप अधिक घड़ियां बन सकेंगी।

जहां तक एक्सपोर्ट का प्रश्न है, वर्ष 1980-81 में 63 हजार 349 घड़ियां एक्सपोर्ट हुई हैं। सम्माननीय सदस्य इस बात से सहमत होंगे कि अगर हमारे देश की कुछ घड़ियां बाहर जाती हैं, तो उससे देश का सम्मान बढ़ता है और यह भी मालुम होता है कि भारत की टेक्नोलॉजी इस दिशा में कितनी अधिक उन्नत हो चुकी है। इसलिए यह तो सम्मान का विषय है कि भारत में उत्पादक घड़ियों की मांग बाहर भी होने लगी है। एच० एम० टी० की कुल उत्पादन क्षमता का हम दो प्रतिशत निर्यात कर रहे हैं। इससे अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, इस बात से सम्माननीय सदस्य सहमत होंगे।

SHRI GHULAM NABI AZAD: May I know (a) whether the Government is considering encouraging a further increase in the capacity manufacture of watch components and (b) whether it is a fact that the HMT has been disallowed from increasing its production of watches and if so, the reasons therefor?

SHRI NARAYAN DATT TIWARI: I have tried to explain in my statement that the HMT is already considering a proposal for further expansion of its factories and also for the creation of new capacities for component manufacture. The last paragraph of my statement amplifies this point.

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE: The HMT's technique of producing

watches is good and that is admitted in our country as well as outside.

So, the technology is advanced. Despite that, is it a fact that HMT, a public sector enterprise is going in for collaboration with Japanese Seiko? If so, what is the necessity for going in for such a collaboration?

SHRI NARAYAN DATT TIWARI: Sir, the HMT is not going in for any collaboration with Seiko. Already it is in collaboration with the Japanese for the Citizen *ab initio*.

I am happy to inform the hon. Member that HMT has developed its own indigenous technological capabilities. We know that watch technology is also rapidly changing all over the world. New designs are coming up. New types of watch technology is being developed. So if we have to cater to the consumer needs, the consumers' tastes in the field, we have to absorb the technology. I hope the hon. Member will appreciate their new designs.

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर : अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि हमारी घड़ियां काफी एक्सपोर्ट हो रही हैं—यह हमारे लिए गौरव और स्वाभिमान की बात है। कैसियो और सिटिजन घड़ियां यहां पर काफी स्मगल हो कर आती हैं और काफी महंगी होती हैं, 1200—1500 रुपयों की पड़ती हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ—क्या एम० एम० टी० क्वार्टज घड़ियां बनाने की कोशिश कर रही है तथा इस सम्बन्ध में क्या प्रगति हुई है वह भी सूचित करें ?

श्री नारायण दत्त तिवारी : श्रीमन् विज्ञापनों से ऐसा लगता है कि कैसियो तथा सिटिजन घड़ियां, जिन का उल्लेख माननीय सदस्य ने किया है, इस देश में यदाकदा पहनी जाती हैं। इस बात से इन्कार करना तो कठिन होगा, सरकार के प्रयत्नों के बावजूद भी इस प्रकार की

स्मॉलिंग के प्रयत्न होते हैं। इसी लिए हमारी यह चेष्टा रही है कि हम अधिक से अधिक घड़ियों का उत्पादन करें तथा हमने घड़ियों के उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया है।

अध्यक्ष महोदय : क्वार्टज के बारे में बतलाइये ।

श्री नारायण दत्त तिवारी : मैं उसी पर आ रहा हूँ। इन के प्रश्न के दो भाग हैं, आप की अनुज्ञा से मैं पहले भाग का उत्तर दे रहा था। जहां तक क्वार्टज का ताल्लुक है एच० एम० टी० को 2 लाख क्वार्टज-एनालाग के उत्पादन का लाइसेंस दिया जा चुका है, उत्पादन प्रारम्भ हो चुका है और वह बाजार में उपलब्ध है।

New Projects of Hindustan Cables Ltd.

*43. **SHRI GADADHAR SAHA:** Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) how many new projects of Hindustan Cables Ltd. are coming up in the next five years; and

(b) in what States these projects are going to be located with details thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY AND STEEL AND MINES (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): (a) and (b). A new project for establishment of 30 lakh conductor kilometers per annum of telecommunication cables at Hyderabad (Andhra Pradesh) at a cost of Rs. 59.73 crores with a foreign exchange component of Rs. 26.90 crores has been approved. There is no other proposal for setting up of new projects by Hindustan Cables Ltd. under consideration during the Sixth Plan period.